

व्यास्त्रावम्भाभ्यीद्रभाय मीगलमयभ्भः गिरीन्वः के उक्प रुद्ध भार ध्रम् न्य यस्त्राण ग् विश्वभद्र उक्ति इडिडीयम् इप्रेचित्र इ डिएमः । रियकन्पप्रिपडिंह इंभक्षिप भगग्वनिभगहभ वन्द्रहेव द्वभुदः भगभी भक्त इक्रिन् भिन्भ अनि । अधीम विकि गिरीगर्नमिद्यद्विद्वातः मित्रमञ्ज्वितिष्ठ दिःक्भः निदः मनी ३ नग्रमहरू यर्थय रिजा अलि डिडि इस अस्म अस्ति । भिजा भेडि भेडि मु भभागभः सः भिऽद्धिम किग्रियभिद्धः स न्य हर्ने कि काए एया य विज्ञहरू येव अल भड़क्र यहं किइवेइ देव विषुद् श्रेष्ट्र भूडं

मु	ä	T	9	ल्म	9	4	7
नरः	55	नर	एय'	135	हर्	32	नश्द
8	वि	34	च	38	T	3	क्युह
03	00	0-	9	5	2	2	इक्ठः
7		3.3	0		*a		भंदा :
				7.00	1		- 1 4

ाबद्रगूर्वभुडी न ध्रम् दिडिवयिभग्राहिलभ イはれき立 かえ名をひれ、おまこれ者にひ वर् ७ वस्त्रभीक् इविषक्यम्भव इन्डेल्प लक्षां उत्तर न हाइने विद्यास दिक दिवाण शैर ले: भारभभा दिग्रं भारत ग्रं सदम्पष्ट विर भावन्यवाद्यात्रभावात्रवात्रक्षेत्रनः अद्यम पुरग्रीदेशीस्त्रमुविधाएम् इरम्पन अरादिकारिषयिकचित्रभणविमापामिक् त्वर्द्ध राष्ट्रकरक्ष्यभूभ सामग्री विव ह्याभन्डवस्थ ए एक पर समान्द्रभन्त B 9 00 00 उभागवंड ध्मीपध्वरमाणुख्य समिव

भनेदिरगभेण गिंधू क्रिक्य पद्मा मुडिवयः दशके:कीडियज्ञस्याद्यम्भ तह्मिमाध्वयः ० मदः पष्टभारमञ्जूष विश्वरभः रभेश उदानिदं प्रहेभ चेत्र दश्चेत बुभादिम ०० मुउए एडिडीयाया प्रमुधिर हेउषा उड्डा इस्डीयाया मकर संग्रिटिमी ०९ अरिविडेर्चिट्रम्भअस्यभगत्म नवस्र डिक्यसंत्रधन्त्राहिल् ०० कटमहत्र स्वयविष्टेष्ट्रहरायभव विष्ठ्रप्रियम् उद्देशमान्त्रक वर विद्वीसीम्बर्ध इडिअन्यस्ट केइदिसम्बुराएं भगति इतिरम्द्रः ल भिराष्ट्रिकियम् ज्ञानिकालियः एयः करूपमः भिद्मेड एम् अगम्बः ०० पदा दिउपुर डिवि वटे जिस त्रक्रिभिष्ठगङ्गेण क्षण्यक्रक इद्गिद्या क्रिक्रियन्ध्रुडिविस्टन्य का स्टाः ॥

	100		Party.	ang re	pin	9/1999	2	(A)					1
-	d	3	3	क्र	म्	E	D)	4	4	U	भ	ष	
100000	9	03	3	36	9	00	30.	20	ورم	1	2	3	September 1
distribution of	<u>9</u>	198	05	2	3	9	0.	5	3	2	7	11 6	TO SERVICE STATE
To the same	3	93	5)	न	9	3	00	7	3	4	न	न	
	मि	Ka	3	39	34	AR	38	K A	Ba	म्	PX	4/0	- N. W.
100	*	A	4	G	X	4	B	1	3	4	*	G	100
	37	997 F		4	1	7			1777 B	-			ł

तिवयिगम् सहस्र सुर न्यानियाश्ची भ्रष्टाः मित्रवस्थान्य स्थानियाश्ची भ्रष्टाः स्थानियाश्ची दियः ०० वस्य स्वक्र स्थानियाश्ची क्ष्या स्थानियाश्ची स्था वनसारःकनारम्बर्धियाभ्रम्बर्धि र्भे मीवर्षिद्धक्षम्याय देशेर्डभार भेपद्रत्रेष्ठ ३३ उर्डस्ड्कित्क सभिद्री बहमराष्ट्रियनगएम भरमान्मार्थ एएः भ्वनभनः इन यः भूगभा १६ यस् म्बरगादिश्रभग्रह्मकगङ्ग भेशस्त्रह गिवेष्ठ'इए० र र प्रकार जा अप स्टूबर् भक्रमभूग उन्हेन्द्र पद्र तभुग्दशः वर् कारिमभन्द्रविद्यात्रश्रहण्डकनाञ्चभवे १८ अद्रहेटगडेक्टिशिश्रापभाष्ट्र गर्का वियगः भूग्रेथभग्रः विरम्मकः ११ अद्रुधन दाप्षटम् वर्म उद्दूषमी एमेडम हम इदिबृह्दमा ग्राभं द्रिक्ट्र भेडक्ट्र मं ग्रा इहस्स्री अहिंग्री इनिहान १६ १६ व हरू ब्रिटिय्वरंभ मन्स् उर्द्भभीरहित भचात्रभिद्वेकविग्रिथचे- १७ प्रह्रेणि

		-
	-	2.0
	0.03	
	1	
1		-
100		
K	-	1

	40		affect .	contain to	Popular Par				
-	3	ਨ	3	व	A	97	9	を表して	
	Carried Con-	man galley	1 1 1 1 1	10 TO	1	0 - 20 10			
通 .	5	म्	मु	1	-1	1.	4	No. I.	
0	100 mg/s		15	1	24	42	5		
	3	1	36	3	3	70	9		
	20	V	8	2	न्त्र	7	H	and the same of	
-14-15	33	100	9/1	11/2		13.5	(A) (B)	THE S	
1	3	3	ने	3	1 4	7	•,	-	
Manie			300		G	7	主方戶	(D)C)	
4	3	3	4 4		15	1	A WALL	i to see	
6	1年 47	1	EVIE		West Company				1

इति । उद्दर्शित्र क्षेत्र स्व द्वार द्वार क्षेत्र क्ष

पभूग्भेभगमाङ्गिड्डापाद ३९ ए इहस	ev.
भवर्भ भवर पटर र्युष्ठ र्युर्व भवर्	7
अस मा असाद प्राप्ता हि	
भाभ भ भ प्रचेदि प्रामा दि भित्रचिहिंडिएडहरू वेष्ट्रमिपिद्धित्रित्रि	
विद्यारी इरिंग्भे अजिक्यूदर ने प्रार्थ	
क्षश्चर्णिक इयम्बवस्थ ३३ परिष	ľ
र्चभक्षत्रन्थद्वगद्रगद्रश्चार्यः राभाउन्व	
उद्भवकःभवषकर्भ अ विषयुव्यक	
र्पकार्वेडिकार्लेड स्मार्भेड द्वार मान	i w
मी:परःमहः ह । उ ७ ०३ ०६ १६ दिनि	A:
वित्रवयभाष्य विकाशकः वराष्ट्रियेर्भ	
अरे वे प्रस्ति व कि कार के अरे में देश है। नग	
दिद्रशभिडम् देविषद्गक्ष ग्रह्म विच्यार	
गः विशिष्ठ इत्र विश्व कि स्टिइ विगर	



द्वाराष्ट्रभित्रभित्रिविद्विष्ठकाः मङ्गाए प्रिष् यः कलञ्च हे गुल्च हे पुत्र द्वाराः आ दिष्ठाः काभग्न भित्रञ्च मार्भ भिनि मिनि का दिष्ठाः वक्र भिद्रञ्च इप्युक्ताः अतिककार्यकाः लवनः पुत्रा चराभयभभाष्ट्रगाडः कर्नामः अ

65	- B	100	16		-01	51		NH.	-
Alson.								ब्गः	
	2	310	E	3	2103	£(2)	013	: एर देव	
Charge of A	CAPPE TO LAR		700	No. 27 100	1 100 100	70 7000 10000		जुनिकः	
The second								कर्मक	
The state of the s								कनवन	
WEEK !								म्यय भ	
のなる								यभभा	
1	विष	भैग	चडी	रीग	SF	制定	नक	र विवाद	13
	सुर	नम	इति	本式	गिन	विक	e h	क्रम्भ ए	P
-	עמ	गुर्द	निष	मभ	38	BI	: के	विद्या	7
A STATE OF	<u>च</u> य	गुरु	भुव	विवि	54	Ea.	प्रा	गभवभी	à
-	0						1		

N

क्ट्रडयनीभयगंनिद्देधभिद्विंडनिंड धाल्य स्क्र अयग दिनमं दिन सुरुविष्ठि प्रचेशम्भून मने अवान सुभी था वह है है के वह माउहां था च नक्षरुच्छा इरीया ध्वरिः अवेहणभ प्रश स्४ डिहिः ६३ पछ इ दिन्द्रधाभाग भुगभ हिष्य एः नग विष्युग ध्रमभद्ग से युग्मगभाद् विकण्डिय यम्बर्भित्यं मुहक्रं पद् उष्यभ्रविष्टिभ्रम् । न्युरक्षीर्यय परितर्भाव स्थापन निम भीवालकार्रेवहरुडीवउद्यम्भ मम 7 3 3 ्र ४<u>८</u> ग्रहे भ्रतिभाष ६ यद्ग्रेमलेग्र ब्राम्य देव के अववना अपित वा ब्राम्य ज्ञवपूर्वमन्भद्रष्टरिक्षिरपुक जिल्नाग्यन पूर्पपूष्यक्रपक्रवदश्यान्य इत्राम्

विष्ठभक्षरः भरभाषाभा मा जीवाभिक्रिवि वर्भ र १ भ ५ च द वरी है क र भ इभ विभिन्न गूदिरपडिभर च कियकिंगभर्य या इस्थ्रभर व्डम्बल्यचे ज्यो के इल इ.इडभ्रम ५६ भिष्टभिउयश्नाविभभड्य के मम्बल भिंदन अभिवृत्व के कि इस्पर डिका उचादिहेविस्पर्यिपक्ष र १५ इर इर इर इर इध्या रा भिंदग्राभिंदलविवद्रम् वर्गे द्वा प्रस्था वर्ग हमी खीय ५५० में द धना अस्त पन पनिष्मिध में उत्पचना क कीपविभग्नमण्डिएग किल्लीगर्दः वर् गर्यक्रमणभग्राणणाहिभद्वाचन्त्रीयः मह न एक गरहन्त्र सहाह हिरामान प्रमान गुम्बिडिडिंड उपविन प्रकार यहिनिक इः मुह्युरविभाविभाग्वर ५ भारत्रापः पर्धचयएनेः पते देशन भिष्यि दिन छ ।।।

ज्यातिक भृष्ठिवर दृतेः थने इ. वंडविति प्रभू वस्यमा पर कारदे अतिक दिया भाषा करि हो थ वलियः भेक्भुष्ट्रान्तेः कानदिरभ्राष्ट्रिनप्रभाग 48 बार्य जिक्नदामु इम्विस्य जिमाभित ष्ट्रमक्ष जर रिझ्नारिकिइंक लध्नेविन्द्रः परिभ्रम् पिट्यः ५३ भर्म स्थितिषीभूष रीविश्वराह्य होती ती वस्ति हो विश्वरी धनवरपश्चः भद्धिमेदः हर्जिभिड्डभ व्रवस्थः इङ्गियाण्यः भिडमियी राहनार्गय द्रद्रवर्ष्ट्रक्ष्यम्भाषेत्र पर ॥ ॥ एडिटे वष्ट्र वस्त्र वस्त्र मित्र भूद्र विद्याप्त सहस्रक्रालयुव्यम् ॥०॥ नम्हर्क विक्रिण्डममहस्र हिडि हिंगए दिनः पिडि हगादभाविद्धाद्वेयभागः महाग्रीपन्थि उउद्विर डिकीम लिविच विधिन विद्युष्ट्य पल्याणिदिश्वप्रधाहिणः ० उद्गार्या

(देएह क्राम्म्य्वंभित्र) उद्भितंतीलगदम्ब गभादिभिद्व ९ भटिटिमुडेभी भिषद्मिष वर्नवार इसिन्सिकिंग्दिन टिक्गभगिक पराध्ययम्भण्डक्रेयक्रिकाण्या उभिता उन्निम्श्विधम्धितिहि म विमाप ज्यहर्भ्य भिर्म्भ लग्ने भाउने उड विकट् भि वंरधंडनारिभेड्य प दम्बिप्रधाहिलेडः विश्नभग्रथम उसिर्यगाउद्यन्त्रथाम त्कलारिक्स र सगाउगिडाभेडह भड़ इगुभुषा उर्गीयभारतिस्थितकर विद्यानभ भनस्य दिर्भावभाक्र प्रमान्य भन्ने उ

अनादिभिश्चेत्रभविभाषेठच डस् ४भाषे स्टिब्रि यं इवर्ग डिर्ड्रावेभेड्का निला दिरिष्ट्रे श्रु बिन निर्मु हर्षे भेरा छ चल्प हर्षे प्रमार हिर्द्रात रिश्वर्या विका निष्ये हैं। वेश विद्या विश्वर्था रभवेष्टिर्यंनगर हिं उ महभवत्वस्य णर्वितित्रम्तियमुक् रजेहिम ब्रुवादि डिय्ग सहगान प्रद्वा ० वसु क्नेन्द्रग्रक्ष्यम् क्ष्म्याम् क्ष्म्यम् व्हन गडाराभुभस्मपाम् प्रभ्रष्टम्यः द्रात्रास् टिउभुगन्वङ्ग्पद्व दिनियुन्भम् हिम्रभूगम् यः महभभद्रच मके भ्राचुरः ०० विभूष्ट्रयाउव इदग्रश्चेष्टिरंग्या निरुपितिञ्चरगंद वस्कर्रगाइकः ०९ ग्लास्नभन्यवस्व हल्लियेनरपारपार्यवस्थात्रभ्रह्मन्ष्रस्थ मित्रप्रविष्भवैः गिर्ह्णाम् भारत्यम् भारति बिर् उवकी कृति है इसु पर भवेष दिगरं म

भुः इयिविद्ययः ०३ लय ब्रह्म प्रभुष्टिभंष उग्डापन्ने निल्हिएयगा निजान्त्री एस्ज सम्बिप्त वर्षे प्रयमिति विस्निन्न भेडा ०६ हेथएंभन्न अध्य का अन्त इस्त्य वर्षे ल्वितियरिव्ययप्रधावम् सङ्गिष्ठह न्य उग्राह्म द्विष्ट स्पाह अणेक प्रश्वित व महश्रमभडाष्ट्रिय वर्ग स्वह विश्वनिश्वि इयह इयिषि प्रश्नुप विनीस उन्विद्यः र्येषु हैं ०० अच इीम हम गंभादयभ है क इ.डिकलमुहे: धष्ट्यभ्रमुहेचिन भएडर्म हि इयःभडिंच रिज्ञहेंभ्रथ्र विन्यविपालिडिंड प्रचित्रिके प्रचेष्ट्रम् भारति है। पाये । प्र हेर्यात ग किर्ड्निश्चभर्झलमध्ड अस्तिशदन्यसभा सञ्चलन्डेइवद्धिक हेर्स्स्मित्रिय्ग्रेष्ठविद्यां ०५ स्टूब्य्यट नित्रक्षामानि भक्ता व्यक्ति जिल्लीन

हावित्रसम्भानिभिद्या उस्त्रभदिउणा वस्द्रियुद्धभुद्दर्गात्रियुद्धस्य नमस्त्रभाष्ट्रभ ०७ भन् गणपाउन्भह्त्र न्याहित प्रवेचीरभीर अभू प्रतालया हिनेय गर्हे गरिया विस्तान विस्तान के स्तान के इंग्ट्यिट न कर हिक दि इ यु में नि से पर यूरी थिइ दिन्र विरुद्ध पुकर करिय छ भन्दरः अववस्थान्य प्रान्धारा एक भिष्य कि विज्ञ सन् एक दिने अपन समादिए दिइम् इ कि से स उज्रिक्षिण्डेम्बिन्युहर्स् इहैं-कर्ने धन्त्रः मराभगर ब्रातेश्यन प्रदेशकि रुख्न ३० महरू व्ययप्रधण्य एन हरी मह वही सहभारत्रहर्भहोगी हिंद से इस्ट्रेस इंहर्वा भएक मिरापइसेक्यर लड़ा 2 वर्ष अवभारित है विद्युत्त है हगर्भ ३३ विनद्वात्रधनह हुमी स्भार प्रवितः

स्याम्बर्णभेष्ट्यभीवभनिषेत् १३ जीक्ष	
नि दि इह वि यथ है न भर	
र बे ९ व उध म म म	
य प्रवास सम्माति स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स	
भिमुप्रविग्रदम्हर्ग्डविमिडन स्यज्ञानि	***
नव्यविश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य	
राभ्यभ्याद्या उपयुक्ति। भाष्य विनवनिष्	
जभागाण्यक्षाप्तिण अधभवलन्य	
ग्रभावनन्त्रसभाभः सन्देशस्य दिवक्षत्र	
भुगरद्रष्ट्रहर्णण वहने १५ कि सभेडेवि	
इड्इएक्ट्रेमेष्ट्रनग्रहेड्लक्ट्राप्ताह य	
नेद्रें हुंग मिपश्चिमें इस्व कर्श भिनंभव	
क्न १० अष्टारिडभड़िक्टेच गुरुहक न्दर्य	
इंग्रेन्य्र प्रभु इंडिभिद्र इंश्यिगः	
मुठः नारग्रुधभाउभाउभाउभिक्षित्र हिन्द	
क्रियुड्संप्रधुढ्दर जंत्र युक्ट युक्ट विहु-	W 35

अन्दीमभण्याप्त्वश्विष्ठेषिनाक्ष्मितं धार्यद्वीनवनेविण्यान्त्यद्वस्त्रेष्ठिणभंभ न न्यादेवग्राद्वस्त्र्यद्वस्त्रेष्ठेष्ठेष्ठ्य ट कक्ष्णेन्यएउनिक्यकरं रिजाभथस्ट्रं ह्वा १८ महत्रम् दिवादाण्यिदिविष्ठाप्त्रित्रेष्ठिः भविनविश्लिप्रमिद्धार्थ्यस्त्रेष्ठेष्ठेष्ठ्यस्त्रेष्ट्रं भविनविश्लिप्रमिद्धार्थ्यस्त्रेष्ठ्यस्त्रेष्ट्रं स्त्रेष्ट्रं स्त्रेष्ट्रं स्त्रेष्ट्रं स्त्रेष्ट्रं स्त्रेष्ट् स्वक्षिप्रस्त्रम् स्त्रेष्ट्रं स्त्रेष्ट्र

त्रात्त्र प्रमुण्युक्तः स्रमुण्युक्तः स्रमुण्युक्तः स्रमुण्युक्तः स्रमुण्युक्तः

मृद्धार्मिकार्गिक्षिक्ष्यित्वित्रकव्भग्रं स्राप्त्रक्षित्र भिड्डिप्राप्त्वाविष्ठहर लग्रवनिविद्यभिक्षिपिङ्ग्रिगिनिगिरिङ्ग् द्विराङ्ग्रेन अ श्रीक्षणपरकाविद्यभ्

मूरीयुश्चरीभेभेडरलल उकेर विश्व भग्न रिक्रादिइदिस्पितिम् एडिस्टिनगिदिउ भिरहित्य ३० हर्यसम् रिभ भइतिए र्यस्थे इड्डियादिरंक न्यर्नेभेड द्वीप रण्य विर डिल इमड दश्र मध्य प्रणाभे दाई इतिवाभरा ३९ भिर्मु ग्राम् इलग्र विविव्ववयुक्कण्डानिय दिउँग इनिमुक्द ए इिश्वितः ब्रह्म निगरित स्वर्ष्ट् भी में यू प्राह ध्राण्ड्य हिः ३३ कि प्रवासम्भ भारतम्बद्ध अवस्था सम्बद्धिक हैं भे लिक विरुभाषगड डन्नग्रामिन स्ट्रिटिन सुभ भरामुहर्दिनिभिडे अर सद्राइडिहरूपुर्द विस्त्रभद्भवः यस्रिष्ट्यमिषिनिन्धादेश इतिः।पन अ भेकतिषिचारयुरन्दरभुम चग्रलइंडविविदियभः भाएयद्भिम्मि युग्नधरण्ठनमिटिविड्डनिय ३)

द्भ

नवर्ष्णभाकिप्रधन्तम् अन्ति विनान रविष्यली दश्रिय कि इभिर्ने अ यर इयविमाण्युभाद्धिमि हिन्ह ह्यीरुइदि नेनिक भएनेभड़ने नुहमा ७५ अलाइहाली पिरुभगेम्भू भएउर भएउर सुभ उर्भ दिवीरिकार्यः ३७ हर्द्रिदिष्वभण् विनभद्धिक्रिति । इतिक्वीर्य र अर्नम् विरिद्ध एत्र भूम भूकी ने विकास नापगेश्वकेष्ठके स् स् भ्रम्ब्रिक्ष्य ष्ट्रगिरापन्यग विराध्यलववनम्पित विद्यप्रमुड ६० भगद्भि ३६ ग्रुव प्रमुड उत्दा उर्रह्युर्ग्मध्याभूग्राम्थर = १ इज्ञाच्चित्रमित्र १ ज्ञार क्रा ३६ भाभभेज रविविध्यपिक्षित्र इः इस् घरउन्तवमि। स्नवडराय्यक्रिकारिकक्षीयकपः भरीका ६३ वयम्बद्धिपण्यन्यग्नुहरुषु गर्दिषर्

मयम् भचा भः प्रभिद्वि हर भुगीर् प्रच मिवभद्रस्टिल् इभेडान्। उठवड्राः या भू विवाद गाउता है विवास भू दि पते है वि पक्षम्ब म अनाविटप्नविधहरेनाएः क्षण्डारमण्डितिष्य हिन्गः भभव्यवेषुष्य भादि अन्हिभिच्चिपिह्द लिइम्बिरिडः ३० किंद्रिक्सभू भया ध्रुवा किरेववभू मिष्य प्राचित्रदिक्षर दिन्द्रीमी में हवे चिम्निस्नस्थः मा विस्विसनेद्वरीम्ब यह प्रतिय स्ट्रभ्य भुगविष्ट प्रध्यद यभित्रभंहर कुराविष्ठंगद्गिप्रादिक स अदहार्भहेरतः अलगडेः पद्धाभेः भंयुडः मी हेव्यभित्रः मन्ध्रदन्भष्टवृत्तेः भर्कीः भूग ए से बंब ए हुः से ने हे ए में दे हैं है । यह । यह । दःकरण्माव्यादिरंकष्ट्रिसंभापन म्थ हस्डिली उदिल इ इन्यक्त र इनिमद्भ ल क

गणिदिविक्षित्व देश्व इतिविद्य इतिनम क्ट्रियेग्रहियाल्य हमरद्या र न न गहिष्ट इड्डिंग्स्न इन्डिंग्स्न वर्ष ल्लिडियुक्टादिन्ह्ना विभाभयने यास्ट्राइरड म्परपरिष्यत्वस् अस्यक्र स्रेट्रेयः नव पुडिन्डराद्विपक्षिड ४० एसप्रिरायर डिभाण इत्र यक् इ इभ दे एभे इह गादि दि व विव माण इदिहारिय मेर्सिक्ट किरिन्सिरेक रभ्रद्धि प्रष्टेडवार मिण इर्रेड विम दभाषितं भ प्रयम्भरवर्ग १९ मुड्डा अन्य टिक गड्यू य स्युर्भनाटिहवेदिनगरः विभव्नाकिष मिनिरंलगढदभ्रिक्षणिप्भणक्षे छ म्बन्ध्यप्यभाष्ट्रभ्तभूमः । वेभप्रव इः एडेमिन्डइय्पिहल्ड्यभूष्पिरभ्यूसभा नपष्ट्रा ४ इडिपिडनम्प्येडिअन्परिक्री यणन्नीरजीय वनेवड्रज्ञभुक्तिवमञ्जूभच्य

भड़ाददिहितिमभी पप अज्ञ कि भेरू प्रपट्स भूजिइभेन्ठः क डिक्वेडिए स अनंद्रवभुड उपभूभन्नवमायम्ब्रह्मह्मद्वेष्ठइ ५० गण्यम् म्रहम्नप्रपर्पात्रभद्दाण्डगम्भद्रविद् डिपाइवेट डिभिनीयानी जुड़ यमक वर्देश अ मड्सिस्यम्भद्रद्यीग्रहिस्भिद्राह लित्रियरहम्भन्नहम् निडः भा दिहस्पूष्ठ चित्रवद्भयः माध्यद् विमायुक्तदः व ए जिन्द् वियम विवर्भये व्याप्त मंत्री दि । ए हराकः ४५ मझदिइपंद्रागध्यनीक्रिक न्त्रभागरद्य एषद्वयः वस्त्रम् एक उपितिक विद्रमंग ५७ दिग्ले विविद् मजान्त्रभिद्यप्रमालद्यभष्ठकः दृष्टिवरि घरण्ठभग्रनार्थ्डभष्ठयग्रनारभग्नाः ऽ॰ मुब्द्धराभ्रतम्यपूरिष्ट्रं एतम्याभ भरप्रियमध्यन्भित्रम् इ.उ.च. रहभ्र

	vestration		le se	16.079			Proces	1	73	>
The second second	मु	6	9	3	×	3	4	(3	3	
	975	मुन्	4/3	मुक	धीर	13	गद	म्र	四天	
Dest.	0	3	2	T	3	0	1	3	भ	
	भ	7	3	4	8	40	4	र्व	ह	
	गर्	YB	म्य	535	437	र्य	234	सिन	37	7
	H	3	3	4	0	0	F	F	3	
200	7	disease from the	उषा	8	ġ	B	#4	38	36	3
	198	24	X B	3	30	HE I	व दुन	X D	वगन	45
-	Married Street	3	in colored		3		Marian Marian State of State o	The second color	Account to the second	39
	-				AS					17
	तिक	rai	नेहि	वस	उपभु	मम	CN	36	क्रिया	4
					50					
	CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE			The state of the state of the	मिव	The second second	Street Street	(A) (A)	The second second second	
	A E	PI-	がから	ZW(भेग्र	7.0	मान	- A	Ans.	1
	275	T.F.	गप		いこの	3 3	ट्य	734	MATE OF THE PARTY	1
	0/4	43)	-0	टर्	व्लंग	4.48	10	5 (1) S		
1	313	AZ	210	3 4	लेन् ह	133	41.	"रि	गुयुग	3

धार्यस्थान्य विस्त्र भन्न अविकिववार्यस्य में महावाक्षिक क्रभेडभर किनी भरण र भाष य व्रभक्त चित्रहर्भित इपन्न विष्युष्टित विष्युष्ट प्तार्क्षीय इमेटिन्ध्रपंतियुवभानित्ति भएडिएन।पेविन्ध्यक्ष प्रमुत्न अभूतिम नुदाक्ष्यियमा करी इत्र द्वारा भित्र हर देश लक्ष्मिर्टर्यभकनानिद्रलन्वभिध्यप्ट भकरकक्टयविषक् ३ धरम्बर्विय रहेणाहे अंडह स्ट्राह भ्रम्हेंड

हिकः प्रश्निम् इम्ब इम्बर्गः निमीवरिचाग नारमद्रभत्रसपार्वे विभववद्यकि । यन निमीवयदिभद्गभः स् दिन्द्वये ४ सभवदिय भग प्रस्थामुहिर्यभूमिश्चारित्प्रस्थाउप्रहे भझ दिन नी प्रभिष्ठ कि विश्व पर्नि दिन भू ए ए इ.स भर कहारमिष्टम्यन्सभईः पश्चिउदानीपरप चर्भा । यथयनिविद्यपटिकाम्भराभ्यानाल यः धरमी हनने भरेपान हिर्म एकः इ उवायनं मः तिरभादरम् असूक्रम् हिंदिहरू दि नाहेः भवादिरः यज्ञानभद्गभः भूष्टरन् पृष्टव ह्रपष्टरपु ७ भगएइ हिप् वभू विशिभ्भ दिप्रसभ्पहरद्भुतं द्विहिंदेनिटिडिहल्भ रंभारम्पार्तित्मस्यप्रभी ०० लाभरह भद्रभूलभुद्धरः मग्रह्मगण्डरद्भः । प्रा भभक्षःभभवभदाज्यभभज्भभविवृद्धन्ति ०० मकिटिक्जमङ्ग्रचक्षरिविषकः दिम्नाष्

गरः सद्वर्ष्ट्रसूटमभ्यकः ०३ स्ट्रिडिन्न गगड्यद्रावि: भुन्निवित्रभगरिप्रक किंभुधार्वः मजिन्भकन्ते नेषुः भभः रेषुष दर्वस्ले ०३ भिद्रुप्तादाभाग्रि ५ डिथंड एक: इस्गिम् १ ७ यु व व व व व द द द ावः भद्रम वश्चडभूपीऽद्रिक्षण पुरुष कलभित्रे विद्वस्ति हिंगुन्द्रभवन स्थाप्ति क गर ०६ विद्विद द्वा भडेभरभविज्ञ उच्च थया समित्र लाम् विव ही भन् पामन विव प्रानिक न मग्र रिपिविद्रित्र ग्रम्य एडव म्इएवल प्रगरिक्र इसम्बिए दीरस्ट्रियन्त्रे ०५ यवम्हभटितिमाम् रभष्कत्र गुरु मुद्द रुडि रेवउ ५ ३ भर्वि ५ गृ: ५ च्चे लिय् ४ इ: क इ वे विक्यास्मा विषय प्रमान् विकास मान्या विकास म करकरियर वा विसक्त सम्बन्ध परितिकलप्रभाष्ट्रविवस्मन्द्रवादः गम

रम्बड्ड इपलीवर्गा भेड्र विस्मप्रयुक्त भ्या विद्या के। देव राष्ट्र उभा रति वतन भग सुक्य उदिह हर्रशहस्रगावस्य उद्गे भाष्डिहपी हनभद्ग हम् हाई हड अनारभ हिठ्यामः ०९ रपक्षभवन् । इम्भूष्टाः मध्

विवद्गिभदीवृणावः वीद्वराखनाः वि विविविद्यानिक करान जुरुद्धाः ०७ भव्य भद्रविविदी ३५ के भभितिभभः द्वायभभक्ष डिभड्रभाउउ विष्ठगर्भ उव हिभभा भूषभा उसे हैं ।।।। उरिभुद्धियम्भूभ इिप्कार्ण्य देश १ ॥ ॥ अदिरम्ब ापयुग्रित्र मिक्द्यहभन्तेऽभव्य रभक्ष यत्राध्याण्ड्रविश्वत्राण्यस्यभ् ॰ न हिंदू भरा हम्रोग्भ हे वेस्न हिंग भ गभाद्वयग्रिक्षिक्गनम्बर्धद्वर् नःमाद्वा । इत्रवं मिर्गुल्मिवय प्रकः अनगिडिनगित्रइप चय्रुमप्रविणगरेष र्रम्यहर्गमिक्या ३ र भाष्ट्रहिद्ध डिग्द्रभादिकः भवस्य न्वत्रभक्तः विश्रोपे विटिविपरीऽवणस्टिकिन्न विराभिउद्याः ध मलभगम् विद्वत्मद्भार्ये विश्वित्रामित्रः

	दिभ	दिविद्य	गुष्ध	जिनमच	हमधिड	कष्टपितिः	
7/2	0.	3 00	0.	3 00	0 1	77	
						9	
व	9	00 3	9	3 2	30	. 00	
7	99	7 00	103	3 E	4131	9 00 03	
2	09 0.	33	37	000	9 4	00 2 3	7
	4.3	डेविच	ग्देश	नेहरे पर	2:4/2:	म्हिष	
				E962		रामः भाषा स्वारत	. /
	म	रिष्	5765	निरीह्म	इ: ५३	2 rich	
	3: V	रपयुग्	नप्प	भी दः मु	हर्भर	मुहंम्य'	
	विश	रइंस्य	नर्ध	नुहर्भाप	भगा	भिउभि	
	30	मन्ध्रम	इपक	3038	म्बर्ग	443/7	
	उत्त	क्राम्ड	भित्रभ	र्भित्रीत	N # 23	वेड्दंश	
04				7.00		.31,-	

प्रथम् । । भाक्तिस्यम् ७ मि हभजाड नविद्रभिणा देउंपधकवर्षीना ग्रम्यवेद्वद्वभक्रः भ्रादेश्विष्ठभ्रद्भवन ण्यंतरवंडका इक्ट्राइड्ड इस्प्रज्ञा अनिद्यरभारतिः भ्यान् राण्यक्षित्व डिडःस्ट्री ०० एका एमन्दिन दिनदः हो भरहिर भावकः वत्रभेद्राडिभेद्रः ध्याग्नाभम् छताः ०९ भ्रह्मेरुडिन'विभ्रम्भितं मुक्डिए इस्विट द्वर्रिताकभूनवणभूचिष्ररितः भर् मारियप्रयानुस्तियान्त्रीयं कराति र्दश्यीयक्षवविदःभवश्यीयस्यः ०३ विश्विग्रहें इत्राभाषीय त्रायुग द्राप माहि हमार्डिकमधेव आः शियाहिए। ०६ प्राप्त मिभाग्ल्यम् द्रभाति सिन्धिय प्रमान स्माहकर सिग्द विवस्मान इमन्यम्भर्क नामः वर नार्जपुरन रियद्भागिता

व्या

31

विमयनिकः प्रस्तिव्युडेस्नेविगिरिडं अपंग् दिइ। दिइ। ठरः कम्रान्ध्यम् कर्मारम र्गिट्कः चेडिग्रिभिङ्गः स्ट्युहराविद्य हि णः ०) भरामिश्वर्ह्ह लिउदाराभप्रशिष भ्विषाधिननीः उभयभष्टभिरभाविभाभञ् उद्दरमः उत्ररः प्राभुतं वर द्वयगद्भव क्रमसंगर्गे उर्वे डिक्ट डिक्ट डिक्ट डिक्ट इन स्वर्गे इ वर्गदेशनदेटहिइद्रेयराभार अ रष्ट टिगि विक्रिक्ति स्पिउ हिभ हम सम्मि अड्म रम्द्रभग्न वयावस्थरप्भविवस्भाष्टरः ए निभिभ्रे ए निहा विक्भारि ०० ॥॥ एडि भड़ावित्रभाजितवाभूकरणेयाज्ञभ्र स मुवलयः उन्नभङ्गभङ्गिदियः ० म्रिड्य भ इ निप्रविश्विश्विभित्रश्वा भ र्षण्यल दिविह पिरिभम्परस्पत् ३ हर्तिस्भस्मद्बिति

भक्क ब्राह्मिक विकास के विकास में किया रगिपडियर्डनिरिट स्नेन्भडी ३ सवरिटन नुभावन दुअ विता विभागे दुव प्रवारिः म स्बिडे: बुद्धिविष्ठहरूभाग भ्रयप्रवाद्ध्य डीसग्रेश्वर्यद्रभुविण र हिरनेन हरुण इल द सुखगुरु एन्स् ग प्रान्दि विवह से ०१ए वर्ष एसना वर्ष एभू प्रभव पर यह वभयउउपवेषाउन पिइः महदिन्दिन्छ परिष्ण्ड त्रुपर्दीगम्ह इरु द दिश्हर वन्ध्यस्यः प्राप्ति । हर् धर्मिपचितिम् रबुद्भेडबुद्भेडीविद्धवभ्रध्भेपभर्ग रे दिक लकेर्भन्देश्चरेश्चपारे भूया विने: भग्दर सूत्र य प्रश्मकद्विप्रवयुग्नम् विद्वितिषु व्यम्भउता ने स्वभीभनुभंभवन विष्युष् स्निक्रा दिनेश्न स्निर्डिस्डिदिनेदम्हित

जभाक्र भाववल्डि विविध्यमिष्पिवर भी भेराष्ट्रभथव्यभाभिमुठदेः कर्दिके न्नापतीया हरिदिष्यप्राज्ञभटद्रलग्रगप्रमके ड भामवाः भिरत्रेल्लाबीरभागरार्द्धस्त्रेन यम् दिवक्दधः भी छ विच जनभ्धविवय ५गरमकायीर राक्यम्ब इत्व अविह डे: ४भवर विजयभभर डी यह बावे इह पर भभव्रभविस्र विण्यः भवित्र य ब्रह्मार धन्द्रिकः अवस्त्रकाण्यभक्त उद्वाद्रका दिमिनचित्रयं पचारिक ने डिल पुरे दि एक टम्झटम्बिप्यम्भ्रद्भवित्रप्रान्ड्रयुर्ग ०० ववभरीभाग पिश्रव्हें इकावाडद्यप्रभाग अनुमभिद्धावी एउल अम्भूभ न म्य्यम् उ भभाउक्भिष्यत्र इद्वार्भित्वभूषकृति। अ उद्यम् ०९ स्वभूवमारिमाभरप्रमुख्य भभग्रध्यमहर्देश्यम्गानिन्द्रयद्र

० मि

इत्भडिन्एउ६गिनीभड्ग्एइ टिक खबुट्स हर्डिकिंगभ इने इड्डिल्य सुरं न झी स्रिष्ट्रिष ल्डिभटमग्डबंश्रिद्धिद ०३ वबद्भविश्र मल दिनादिक्ष इतिमापक्षिभग्रहेः नेपृष्ट भारत्य या मही भर्गे श्रेम भी विक्र व्याप थए डिटि दि उस भाश द्वा महर दल अपूर्व है: विस्तुन्थ दिल विद्विति वित्रभूभण गड्ड भागम् ज्ञम्ययक्षिडादिवाभडी वर् सुबल लप्र ॥ क्वीष्ट्रप्रदेश दिम भन्य पे जलने प्रल यहाउकभभभन्त बर्डी एक विकिति हिंदी। दिम्डीष्ट्रिडी इस्नेर्टभेडें: ०० मुखन्य नभा विज्ञनराष्ट्रस्द्रिटिसभवभिग्रहिभा क्राम्य एसक नया धुभगद् नवगभी भ थानेकं विश्वधंस्थ्यभ्यभ्वभगद्रम् पृष् भारतभागवड्डिः शक्ति ग्रिथ्य इन भवी रलकामन्भरा ग कर्यंक लभदल्य स

हेः १९ इह्न य दिन्य विभूगे स्वद विभू थेः न या युध्य बुरि उमिन प्रभुभे इप्रभा निल्य र्भभवकिषित्रं वर की लग्न प्रस्तर वर्ष ह भक्क कित्र वे दिक न्य विषय विषय विषय उनग्देः ०७ हिन्दामीय इनसीय सीमिष्ट्रन यिर्देशक अञ्चाय असम्बद्ध विभार ग्रहित 3 अन्याद्यम् इपवम्बन्धा ए छावग्द्रभविष्ट्रकुलिव यह विक्रितिक स्थित है । इस मार्थिक में विक्रिय हे दिक विश्व अधि विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व मयक ३० ऽधिकनेअपयेऽद्राभ्यस्थ ४४केनापंरीय असंदर्धयञ्चगद्रिं उत्तर्भे गलविस्टरि: ४(ट्रेस् ३९ संवर्धनहरू बग्हम किदी रेष्ट्रबग्धन भक्ति सुरुता ह ग्रीर्भ ग्रीवस्ट्पडीर्षेषु नभ्ग वयन अगमीन

03

6

नय भिष्टेःकद्दिक्णयुष्ठगग्रागोःमद्दल्य दिमंग्री सुम्नेम निम भड्ड यभि उभ भ्य प्रज्ञ भ ज्ञानं वा १३ वषक रुवेषः दिहेरं मेडिए ध वभद्रिम्य्रैल्यभभगिति ज्याहर्यः प्रइव्यभाविहः सिर्द्रमभूष्य एयद्द्रद् ह्ये: परिभिडिटिस्म हिंद अते वृत्ते विल्हित अधुगादिरिभ्दनभ्रहे:कलविष:५म्भः १६ भेष्ठद्रभाउँ हवे दिक निक्र द्राय भे : महाप्र रेक्बीएलय पपारेगिभद्रयगद्भभ्रेत युष्टिमगुरिनुहत्त्यः भुडी १४ व्यक्तित्र मीक्ण्यभूरिक्परिल्याद्र न्यान्यद्र्या श्चित्र ए हिंच के बेड भिर्म अहं ने वया श्या शर् विवर स्थार द्विरागुर्गि रच वेषे के इंट ये स्ट् वीत्रः संविकितिहाद्वित्रभूपरयान्येवित्रं इ देश भाः भन्न क्रा गुरु दिरम देगवा के भवे भ प्रिटिनंड कुँ पुरिस्पत्र स्टाइ अरे १२ डियम प्र

यः भेजः केविइप्रदिन्भा इन्ड्रियक्ष्रहान्द . प्रहेदिरि: १६ वष्ट्रह उद्यक्ष होर्ग व्यवस्था विषमप्रवास्त्रक्षश्चिमद्विषेत्रद्वाय्यम् भयद्भवन्त्र स्कार्या वारत्यापय व्यवस्थिति ऽउ रेणरेषाड्यजोमन्द्र पंडीचीभेस्य इलभूका द्रायवरिमेतातुः ३० थ्याणवरेश्वेत्राधिष्ठ क्षेत्रइम्प्रिडिपद्मडाद्मरा धः सम्मन् ठली वहनरे:केड्गेइस्डिम्ड्राय ३ प्रभूभ कीला रूप मित्रियदेल बर्वेद्रिय विकेग्डनह भारत मुद्रेल पह हर । १३ छ है । क्रिन्सिय भारत मुहम् भूक्वविष् मयगार्वराभाषम् । ३० दगत्य इदिक व्यवित्र रेभध्य है। भड़्यहर भिन्ने हे हैं से ह निर्धुरमभुद्धयक्तिरस्र दिन्हे ३९ ०३भ र:अडिकय:अन्यानिकारिनकार्य स्वाप्तर्थ नष्ट्रमिकिस्न १५न्छड २० दनुस्तिनापि

ल्लेब्ह्ज विभग्रदिविल्डिवनी विश्वदिम् सु विविन्यदिर्युर्वे मा रायुर्धभान्यदिष् इविङ्गिक्ष्री युदग्रिपविश्राण्याद्यी नभनादिभ ६९ वर्करालकामिक्रिण्य डिभ प्रगः बेश्चानः पिष्ट हे प्रत्य हर्ने हिडः ६७ अवस्थितसभे इतस्था मन्त्रभग्रहः विद्याद्व रगिपीस्त्रीय विश्वः में हिंसभनी पन रास्त्र प्र धनप्रयम्मिनिष्यगद्भक भूकत्रणलिउन ध्वातवानग्दे ४० क्रान्सिकवरापः थ दः बद्धर्गहरः वद्वग्रह्मष्ट्रम् चित्रभागं ४९ विद्यनिगडः सुरुगमिनवथा थं मगर्दिद्धार्द्धाः पर्भन्वरङ्गः।पयुडः क्लिटिडिह त्रवास्त्रत्वे ५३ गलभ्वीवेस दरि:ममुद्रश्चिम : क्णमहाराष्ट्रश्च कर्मरिटिवियोः यह बर्भविरविष्युर्भि हिमकिनेवुड निज्ञणः क्राक्षः श्वाबिक्रणः

भड्डपट: इस्मेन इसीन इसीन इसीन विरुभित्रम्भरयरे हभयुद्र मनिवृत्र अध्युद्र गिर्ड दिक विज्ञाल के रहेता विद्या लगगुर उने भभभुवेद विद्वरीयभं मने डिविड णः ने मुिम्निप्यरप्रेगिनिम्यक्षित विवयः इरिविड्यायुनीभद्रभागवर्देय नएयः ना मुक्डकिडिविधप्रियः भुउद गिभेः गर्नभन्भद्रयभभ्दिकेन्द्रभाज गर भ्युद्धित्रभक्ष इउठ सुन्द्रायिक अध्या नश्यनि इत्योपमानि धनके इद्या नश्चर रभाद्रमित्रदिकारियन्यस्प्रिकार भेड्यम् विजिष्टः विविध्य विवश्यप्रकरि रधकलभगाउत्भाभे उठर विजयत १० र रीस्ट्रिश्मुड:५० नयानुरे लोदे मनुष् नंबरंपालग्दःकरहिषानभ्द ४० एडिब्र विकार्त्रभभवात्रक्षातुः वि

मेड्ड्डमभटिविह्ममुविद्मिल स्रिक्श्यू नंमभंगपाण्य विवाद इः ५९ केम बंधे ह ववस्य निज्ञितवभाष्ठभा इडिज्ञितवभारित भगवडनिष्टेड ३३॥॥ उडिमुद्रद्रिक उपलिम्हाय्करलया ॥॥ हर उवनकर लंगुहमी नयु गुमी न मुहह विदिन्य वम्नडशः उदाहिक्नभयः पतिविद्वेदि इब्रिध्यरभूगरःभुरमीनगदः ० प्रतिभू क्रिसेटिश्रियानकेंबर त्रसे क्रिकेड्र. दंिनीमननद्यविभिष्पुत्रन्यद्वीयः न्धूलिवनभट्ट-परिल्यन्करिनेडनक्डि एंक्ट्रइस्न्यं बुरापण वृह्य कि इंडिंड एत ३ विधभ हमगडिम् मिहनवि ५३ ग्देविन चियरिपष्टरः राज्येडेवरत्रकिभियरपुगन हंमग्डियुविडिपूट ३ वश्वास्थाः र्यन्याङ दीरुव्यक्राः भयुगयन एः भूतं अदिवेदः

N P

भर्भरहिम्राक्ष्णभृष्ट्यभवद्वराण द प् मडनिटिए पर्याहिंगः पद्मारिप्र सुमरीरः नीवगडमुडटापनकराभजनएई वदाभ्यव इ न यदिहवडिभिडिडिनिज्ञ थक्डिड्र गर्नेडः भ भरमिगः ममञ्चः श्रुकापमानी किंद्रितिरह्नक विविवादिवामकाक्यभ । एक्किमिविन हारनविवययगिविजयर्डभविद्रउउपप नंदिभड्यार्ग्याद्याः भन्नव्यग्राधि प्नभटे: तड्डिवर्ड फ्टंट्ड डे किस्सिवर इनहर्षे भुनुद्रहरः १ भूनन्यकुल्यर माप्रयुक्त स्थकाभेनी उद्याद एउ कहका वभूडिक इद्रथित डेम दस्य थड्म भ्राविति दिष्ट उ उ महहिमीविपक्षीरवैद्रस्तंरुवडविपगैर् उद्भव्या वर्षभवाषाः स्थानिथिवः भू मन्यक्रणारिक्रंयिक विश्वभागित्र वथचार्यभेडेचभ्राययचकरभीरिकिरटकेः

वभुनद्वादिभभउःदन्धेःभन्धिःपुर ८ वक्ष्यवरणंदि ०० एरिल्टिववरकव्यप हा सहिर्गीउब इकि है से युड: बार डिंब श्यद्भिपरीउ दिन प्रवयु उचि के अचार्ये गर रेडा ०० ग्रम्मिद्विववित्कहकारंभभवस्थ हबूकियरिषुडा रविमुद्धिवम् मुहिदाण्य हर्यञ्च इति अद्विजितियः ५ १ भिष्न जन्म गानित्रधारणगिषवगाधिवविविवेष्ठाः य निभगणगड्काथीहर्नहवडिकडिकप्थभ वुष्यि ०३ मित्र भडक ह्य द्वा स्था भक डिस्काग्दः निर्विष्ठवभव् एः प्रमुख्य हिर्ग यलनेयःभउपरः ०६ स्विस्ट्रेमहम्भूष रिश्वं शिल्युं वाने वयु ज्ञकर पि के विद्रदेविक ग्रिझ्महवेषटेट्ट्रुयः श्रिवदः ॰ भडप्रिक्यहम्भ इन्भडकरपीर्व्यय विएक्न निरम्भ प्रमुख्य प्रमुख्य विष्यु

एयद्यहर्: भेद्याक्र्वनभद्रभं ५ इद्र चः मुहन् थर्राह्यः के वस वाष्ट्र थक्त निर्देश म्बनम्बल्ड्झन्तिस्य इर्भ भभे इरंद्रि बद्धारमञ्चवस्थ इक्तिम्बर्धः ग व रवडेक थिविय देउँ इड हर प्रमुप्त थर्या । र र अध्वमा सभ्य वि नित्तभः था मार्भ उदा नि हरडः यहः ०९ स्ट विजयभदिरिभडाँ विव इ-करभेडिरिइस्बर्गाद्यम् स्थूरहरु उन्यभूतर गुरूष म् इ. शिल्ड द डिट्ट र न मुक र्ग ७ इसिष्ट्याटइयएक राज्यसिष्ट अत्रथा अर्ध्य पर्राउद्यः सह १ वर्ष वद्यसङ्ग्यितिद्वग्दभेड्क्स गणभेडं ६क रंगनातिहेंगुणविकः १० दिश्वभगद्विगा विवयःभवउवेषारमण्ड्राहरः भचिपिभिद ध्वम्बिरानिष्ट्रयं ना छे स्वद्गाउ हुड १९ क्रहाह्य बहु एक वाहद्ये गुल्यें व्य

हिः मध्दीष्ट्रभभइ ३१) ३३ मधिरुष्प्य द्यिनिगिटि उ: शहकयः कभ रः भिद्वेश्रू ह हुनिः भभवितय शृह्यः जाह्नाः मधित्वपर दिउननहर्यः कल्यभूनचानाः स्टेड हिल्डिप वेराजन समुद्रिय होतिः १८ स्प्रिभेडहराः जैउद्गडिडिअन्द्रयः बडब्भइरिडिभट्य रिभभयि हेर्ये वेदिस्तः र भू जीमहति वेद्य उथियगिकृष्ट्रमहास्यदिनिः परन्यः पास विवर्ष उभद्यों मुड्ग अ भिद्राल्ड्भलः कुल्ह्म मिनः नुरुक्रिवेरि न्छिम् भूम भूभिविज्ञुत रशिभिद्रनगर्धियर् मेथा स्थान्त्रभभः अल्स् भहरम्बूह्भद्वतः मदः चर्मनीभभगम महद्भाः भिष्ठ दक्ष्या ३० भिद्राण्य विशः ममी गुरुम् विद्वारः भभगी ध्रुप्ति द्वारक क्रिक् वृत्भित्रमङ्ग्यः भड्यः भिड्मिश्रमनीकवः मिरवीम्इजल्हिभि भिड्उर्विम् राविम

4.5

निकार	चित्रःभभः ११	र दिनग्भरगणः व	.
10 5	1 0 E	1 2 2 1	+
वह वु	39333	विवस वस भित्र भि	~
क हुन	मुन् वलव	विषय वस्त्र भित्र भि	
37	1 2 4	व विविध्वास्त्र विश्व	2
		रणित्रवरकाणः	
		नेभेड्डिंगु द्रिय	
The state of the s		एगण्य हुरी दिन्ह	
		विभागनिष्य अन	100000
		PERSONAL PROPERTY	5
भरणयह	कड़ उन्पाद	रिन्द्रस्वित्रविः ध	9
उभक्राई	इ ९७ भड़ः ७	अप्रकेष्ट्रचिपहरा	1
उभक्राउँ	यु भ्र सं	क्षित्रकेष्ट्रियेपहर्व	7
त्र भ द भ रमकार्य	त् ९७ भ्रह्तः ६ म् भ्रह्म प्रहारक उक्षा	अप्रकेष्ट्रियेपहरा १३ म न ४ देव १६ ६ न म भग	2/m
क्षेत्र प्रमुख्य क्षेत्र क्षे	4 4 5 4 4 5	क्षित्र स्थाप्ट स्थाप	ahm ahm
उभक्र उठ प्रदेश प्रदेश स्वाहरू	यु १७ भ्रह्ने १ यह ३६ ३४१ यह ३६ ३४१ यह ३६ ३४१	अप्रकेष्ट्रियेपहरा १३ म न ४ देव १६ ६ न म भग	3. 2. 2

SE

बहुद्ध्यावयगडन्महन्म ३० किवित्रहरक्षयाम् इस्त इस्काटापटभी डिमापइध्रुक्त ३३ भिडा भिर्म्या प्रशिवित देव दिव वि रगम्यादक्षम् **भःपडिठयगयग्रह्महर्मका**र भूलत ह्यान्वुइयभा विज उच्चाय्यभव प्रमुक्ता क्रमुप्रिणयुर्भभग्रहार्ड

	म								36	O. C. Control
36	8	×	3	38	8	न	34	G	36	
**************************************	त	F	न	X	A	(9)	34	A	3	
	7	Charles of								170

पिअवमस्य अध्यस्य स्वतः । **६इप्रियः भ्र गृलिहिम्यः श्वराहिशः प्रभपरिष्** यश्री ३० वक्ष एटड पयम्ब जी एग मभ हा भि ८ वर्ष भदावभग्रवीरं निल्पष्ठभवेरिन्नभूष्ट्र अ त्रवेत्र क्वतः व्यतः द्वतः १वतः भवतः व्यतः व्यतः बहु विद्रम् पिद् इ भद् उपक्रम् वृति म्बेड्र मिर्ड्र अस्त्यिध्युक्त डेड्र मिर्प्यं उ षेव गरीदिधरेगणारंगदिधरा है हो पदह द्धिमुप्रभे ३६ भरूरभ्रवयुवरीनगरदिहरा रचिदिहर्विविद्युगिरिभक्ष्यं भ्रम्बिन्नव न्यम्बर्धायमग्भितिक्षाष्ट्रमार्थाः म्यान्य त्रम् ३० अद्भवश्मित्रमान्द्रमान्द्रकःकविह भूभविष्विभिश्यगुरुः उदाषिपः दिव्यग श्रुतिक्युरुप्रविविभ्युप्रवृत्ते मः भ भगदभ्रम्भिरविदेगविष्भक्षप्रदिम्भि निःभा ६० वस्त्रिलीवमनिष्ठान्यस्याणमे

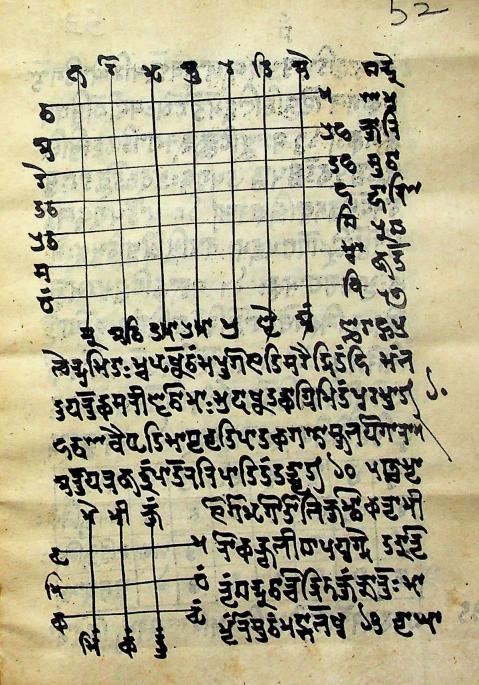
लाष्ट्रपष्ट्रविमिणः भभग निभए दिंगमकवि यमहिवपरीडमप्ट्रक्रणक प्रथमपद्भिकारि अथ म व व की म ह विष्ण ह म ल व म प 7 3 प प दिवंब प प 3 7 प पत्रभे हु भुद्राम्म द्रामित हु भिक्ष ह्कण्यक्रवंमक्थद्हगः दियंमक्ष्यदियं क्षिरभवनाः भिष्टेः अठेठ विद्या अठेपवया थेः ६३ द्वप्रकाम्बर्धिक निष्टिक निष्य निष्टिक क्रिमिक्स्वारिगिटिडंडस्गाफ्नेक्से कस न्रान्ध्र हर्रेड च पटिक भिन्द स्था दिशं प्रका उन्हिन्द्रक्र विद्या द्वा विद्या कि कर् न्यद्धपरद्वरद्वर्ष्यम्भवदरद कड्मीन भगास्याभड्ट विद्वासकर स्य विद्वारिय युक्तिहिंभरलं मुहभ भाष्ट्रभपकुरेग्यूपप इय्युर्भितः हे एयन्युर्यस्ट्रामिनेष्रः कागूदः एक विप्रामीमभे हेव नेवेट वन्तं भा

अनिहास निभगिषु यसूर्यन यं यदन सूथ्ये द दिधरात महिर्भिड्ड्वम्नभवप्रविद्रुपन् द्भाष्टिगिनी = इ भ्रिडिवनं म्यिदियविन्य उद्धिपिडिच नमुहकाः भुडी ह्यहवेनेब हवी उद्यमुद्रिपिडिस्कनद्काः भुडी ६० विग्र उउए हिटार के : हार्य है। यह स्वार्थ के स्वार पिरान्य डिम्ब डिम्स भूपरा उद्गान स्टर्भन विश्वह भ भने दिरेव निनभ धमा बहु न भक्षाः मेवकाधिरणह यगादिरवम्हरययाभ्हाल्य र्जिभेड्डस्भवस्ड ४० अनद्भरण्डिधर िकरायवाः यहेषिविधन रिकप्तः निभार हिन्नावडक्रहालड:४० ए: ध्रावं विधनाहिक भूषा १९

1		1 =	2	-	OP	1		1	3	
	9	8	ব	3	DEC 1	3	7	12	7	
		38	3.	E.	30	30	3.	3.	33	
	No. of Concession, Name of Street, or other Designation, or other	48	State of the State of the State of	v	वि		18	म	3	
	3.	90	03	30	3.		OE	0.	OF	
	¥	34		7		the state of the s	-		THE PERSON NAMED IN	
	40	32	3.	0.	00	03			3.	1
		1	1				1			4

निविव्याभर्थिस्वभ्रभविष्ठि हिल्दव्यवि ण्डपीयुष्डयुन्नण निर्दिन्दक्रपेष्ठ्रयुग विक्रिय एट प्रमुख हिस्से विक्रक इस्मित्रभूद्र इतिम्केडिएः पर रहेरद्रभू बुद्भार सम्भाजल विद्या हिए इड डि विश्व अद इड्र विवेत्तेः मिकाधनभेडापिह व्यवनेः स्विविष्यः विश्वाभावि ।

च वहिंदेव प्रदुद्धि इडिविह गैंडि हिल्ड्ड विजेशभी विविद्य हिल्डिट शरा विश्व विश्व देहि पिर्योद्द इंदिभेडा हर्यः भुजिद न च्या विश्व विश्व किया विश्व वि रियमाण्डिचार्रीयझ्यः भी महेल्म्इह निन्लनमिवपाश्वरभक्तवभू मुहद्युह्मभुरुवरतिभवः दभुपनिभहित गर विविष्ट्रभन दिरी इस ह



उगम्हाउपाउधव्यन् ना हुवद्रथिपाडिगम् Pक्तनारिक्र हिल्द्र भड़े रेथः ननी कि हिथभ क्रीका १३ मायुटिक्किनगाडिवहिंधि। चिडिन्न भूत्रम् अथादः अद्हर्द्व द्वाराः म रन्टमजनवाद्रिकराभा १६ पाउपग्दलड भन्द्रिः पिट पद्भः वारि अविदिश्वः भे कः मार्चयानकः १७ महाइटिश्नभाभाव विनः के निकावेः गई विरुक्ष भिष्टं मः मनिष्ट चितिरितः ३३ व्यथः रुगर्गभ्यम् ४५६ लग्रुपिषुनिष्ठिय भिदानिग्नेन्त्रिएस् र्मिहिहिरोय त्राप मिट्यः श नग मुस्य = 3 विन्नानिकः 3 १०।०४ महिन्ने निकः दश्हवन्गावटनश्चादिद्रपरिण्यन्थे किंवर्र

न्जनुगभिऽलव्गर्भिइंसु एस्डक् गभिद्रभे ऽऽ विभिन्नः । कार्यनिभग्रम् प्राप्त न इत्र इत् द्रयाभ्रद्भाः नष्टविमस्कवनेपपत्रेनवयवङ इरविद्वार १० उपग्रहा जनस्य दिक्षे निर्वर्षयम् । इर्घन मिग्रम् नेष्मप डिउंहें इल इविद्वे किल भवें में १० नम द्वे दक्षवड्डम्यापद्रवगद्रविरम्भिड्हः नगर विद्वाभित्रनाष्म्र हवित्रिकेडर म्यगभूष्टः १० व्यक्तिभदीभक्तिभागभरणभ्यद्वयः क्रिंट गद्धरनिडभभभगग्रविष्णुभेकितिड हेरभू ह्यम्भिरभुभविष्ठी गएः इभाइनिष्डिणिश्त द्रमस्य अस्टः स्टक्राए स्यः १९ सग्ना नय उयारिष्टिक्ष उद्यास्य नगङ्गाहि उक् रूपहः "निवद्गीर्ल्यायेश्वर क्षेत्र विकास प्रिक्तः १३ रभगुण्यमिनगास्ट्रभ्यद्विय इंस्क जिल्ला हुन है स्ट प्रमुख नगरनर

न्यारहम्भ्रम्य विद्यान्य नियम् बर वह विविश्य कर यह नक वद वद वह £ 9 0. 00 04 02 03 3. भम्बः १६ गर्केर्यहिद्धिया यप्रविदःभ दभक्तर इस्वम् रेपविदिध डिक्सविका रवी किविव्दर्गद्रीपरप्रस्वयाप्पालगृद वसूत्रभ्डविषेगन्त्रप्तमिग्धिः १४ हर्वेदिक ने वडरम्भभु पष्टि जिल्हा ना हिस्ह भरिग्रम्ह् विभु डः परम् स्मान्य स्मिह्न वि यदन्य मेमनवभष्ड इं पष्टि दि इं हे व द्वार्थ व कः उठ्डनभन्दरमयोऽ नव इनभ्रभीनवभ दन्दन्यभदन्य्पष्ट्वयभुवक्षिराषञ्चय भवर्भ गा नवमनवनवपनवग्रम्थ विविक्षे हरा द्वार नव इन्पिन इन्हर्न प्र भिष्वीबार्धा सुरुक्ट्रक्यः १८ नवपिष्ठेषुरु भिड्बेह्रियं वैत्रापि क्या कर प्रभुष्टि हु हम

भ्रम् भटनत्वपभिद्यस्टिमंड्रंबाड्र भद्रनग्द्रमञ्चिद्रमञ्चयः १७ विष्वय उष्पाप्रचम् छम दिवस युल् दिरा भद्र में इ म भटिक्भुधितमुहित्यिविण परितिभ्रम भिरिभव्रल्ड् छः इन द्वाइद्वाव्यक्ष्यार् ष्टुः तरपः इभरी वहः भर्भ करः प्रविक मिरिडिडिड ३० में हे हि वे से म भगन्गर्वितर्पत्य दिवहः कर्राय क्रक्टकविमद्वादिन्भएइविमिपद्मभद्धः १९ तिक्ति विक्रमान्यपगद्भिष्ठनेक अद्वेदन विमातः विवभाराद्रिगारियाभुक हथगक अधिमहिन्द्रि ६३ दि इनिहर्नि । वात्त्र वेष्ट्रियम्भरणविषात्त्र जहरू निषिन्य निरम्भीयः भवद्यपिष्य दर्षि हिर्द्धार इस्कार्कान्क्र व्यानवा

र्वनेडम्

57

ल्यग्रेस यहिरुवेद्धयभभ्रहिभडीपन्यङ्ग । । यु वर्गम् वर्गारिक्याका सन्दितः भागिति इ विभानयमानविग्रानिश्राम्समिहि ज्ञरा १० द्वम्तिः पिःवित्र ए श्रीयेद्युभ्न वर्षनान्त्रः नज्कविद्विद्विरिध्यर्द्रज्ञान य हम्हमद्यम् द र ह्या व्यद्भाविके इमेकपुर भूय रिगः कि डिभंडे द्विता के रागितः भप्रयाधारिड द्रानः भिड्छ धुरि स्वधुरं एदण्टरिहरूनभुः इइ ध्धिकड्रिकक्रि भगद्गीवभूनेक इतिहास नेव भिडि विनी वगद गडहुर्द्विधिप हमस्तिप्रशिष्टिन दिहरेहि भेद्रभेद्रिधन्नी जन्मन्यं मक्मिमिनिहिद्वप् निस्विपित ३० चरायन्ड विविभासहपद्धार ग्राभीवर्कान्यविष्ट्रभाषच्चित्र नश्वित इर्भिडिबिद्कर्के ल्डिश्चर्प् विष्यु । वंष्टिधः ७ केर्किल्लीवम्याविष्त्रय

3.

वर्षपिवनिड्भर भचेटिथान्यभाया द्वितर् लाहरहर्द्धरुप्रदेशस्यः ७० दिकानकर् भटना दिउर्धमडकं दोई धः अई दिगुणभ पिनक्षेत्ररगुद्रः हरूटयुक्दूद्रभडडनवर्षर दिइसभुद्दिष्ण एदन्य वज्नम्यि ७९ इस्टिश्च प्रदेश स्वर्थेश रामभरा गुक्रहरभाचेकेकेविष्ण ७३ वर्ःभिड कः इत्राभुत्रभुत्रहिभुत्रभः भुति विरिभृतः मुनी PSइनेभ-द्रिहर्डिड्डिइ-इस्मेप्नेम्प्वरहि यद्रः १ तस्पद्भितित्रहरूरवस्त्रव पिम् इयिदश्रक्षाम भद्गीलपंडिस्परवृत्ते ननाहरीतिराष्ट्रेमहवरीदिसितिरथ जन गत्रचादिवियाद्क वदनद्युल्च वदः ज्युगा इविद्राभिर्पष्टभमुहद्भाः के विच्युन E 9 3 0 0 E 2 3 0 3 AER 3 7 3 7 3 7 3 7

भनी हता द न न क त न ता क गर द द न वि इस ग्लेभ वग्रहिकः भएन विवादिदिक्ति विवा प्रयाचित्र प्रतिभव्याप्र प्राचित्र विश्व विष्य विश्व विष्य व भा का संधादिर मिल्य प्रवास चित्र होता दि न्यन्विष्किषिऽदिभक्त मेनादिमः मुरदिग्र नगारिक जिल्ला करा जिल्ला निर्मिक दिन के 10010111111111 द्रमुक्तयन्दर्भेः भभ उड्च वेटी भद्र निवभहण व्यापस्यवदीर्वप्रवास्थान्त्रभुप्तस्याद्रप्रभ नेभग् ७७ अद्दर्भिद्युठए सेन्स्रितिक राष्ट्रभगेष्वय भीगण्डास्त्रिक्टिं विविक्रणरम्बर्कर ००० नम्भर्यन्ति कालनेवनगुप्रविज्ञ निक्यान्यनविविज्ञ भुद्रअध्यम निक्यग्निभ दिखनं नेवर्भिड टिखर्गवनिः भाषानि हिरिद्यम्बकान् सम्भ ०००

थिन्द्रीक्ष्रिटिन्द्रिद्रिन्द्रेष्ट्रेष्ट्रिस्ट्रिस् गवनः भक्तभुलन्वाभनकन्द्रवय हुभक्त मुराएक द ०.७ मुभ्य उगु र दिवप भिरायद्वनगर्हि। भुरुवननगरेक करान म्भुन्दर्भुह्भुह्भुद्भुद्भुद्भुद्भुव्य भारत ००० समार्थिक विमानगाराः भन् धवःभयमगगरुदाः गिदाः परदः जारभः ज उदः जङ्गितिवित्रव्यक्षात्रः ० म मह्य म स मिक भिक इ से हम की भी 43 47 47 47 43 43 3. 50 50 30 5. 43 राउ अस्ट्रेन डिडि शील घट्ट नहरीम येट्यउद्यंभ्दब्रह्माः ०.५ इन्तिभूषक्र चनवीमादमभ्रद्वाणः गभाषानावुभमाई इत वस्टिभाग्न ००० वक्त्या देवन दृष्ट्र है हमेरियाई व्यास्थित है है है है के प्रमान टयास्वर्षरक्षित्रम्यात्रम्याः कर्णे सन्त्रम



इभयन्वकाम्डिझ्यंभ्रह्यः। त्रिक्तः मुम्कनन्ययम् इर्डम्बर्ड्स मयभ ०.९ उ इ इ इ द ५ ५ ५ द वि हि इ से वि व गंभवायदे हमाभया भया दिला व्याप व गारुजंगभविश्विभद्गभिवं उर्ज्ञमप्रभेउवार इंग्मिचेवन्याध्रियार्पभ्वताभ्या ०.७ मयुःक्रापेग्टराप्यप्रधास्याप्रकाराज्या **स्लांटम्यग्यग्भदिरं**र्भिः नङ्ग्रा राज्यम्प्रद्राप्यक्र विद्यादिक्ष रिव्हित्र विद्या गभवाचयभज्ञानिक'याचारदेथान्थि ००। क्राम्यविभन्न हे यूद्रण हे युद्रण यु हे है विराध ५उंग्केउ५उठभम् दिउठउष उन्नश्नु हिन् यहगडहंभवानिभाभ हरण प्रश्न व वहक भग द्वरंत्रवस्तिन्य ००० व्यव्यप्तिनः भभाइपाइ दिन्विय प्राथित विवास गने बहः प्रामानिधमसभारित्त वहाराउ

यवेषुभा ००९ इतिहिप्स इम् इत्भामनभू विन वष्ट्रयमिमब्रितिज्ञास्त्रवर्गः ००३ ल्ब्रुपि उल्ब्रुभवा विक्यि डिल्डा दिमें हडा एवं वयः स्म अस्भन्ध् असंबद्ध उत्राह्म विष् उग्दिविस्दुरः ००६ मुच्डिंगग्भः गरिट चिल्द्यन् अधिन अधगाव । वील्डिहिय गडः सहग्रहस्यभग ००४ रयगभीनक हक उलर्षितित्रक दिग्गर्नभव्देगास्य भड्डिन ००० रेड्स्ड्रिकिभूषरिक न्यारि भू इ हु यु उविषेष्ठ गिर्विक: व न हु हुल रिविपइउनवैरुणइइर६विडयगिर्मिनगर ०० नगरभवमविधया इपन्वकरपी हने विश्व एडी इयुर्यः कापीर्वेनववयप्वमन्प्रिक्त विहविडिट धरात्रि ००५ भिर्ने देव कुछ प्रध मश्रवभुष्टवृष्ट्यः भ्रिष्ट्रक्ष्मभ्रवः ह्यक्षिगः का-इविश्विक्ष्र्यः सीलक्ष्यः भन्न निष्यं ०००

एडिमद्र इति सम्लिति स्ट्रिक्ट लय् ह्र अर्थ न भारविदि इविविन्द्रागि दिन्सि भिस्द्र व उस्मि वरभारद्विष्ठ विज्ञभनेज्ञलममीद्रक्रिभनी मन्भद्भड्डनिस्डिन्यमुड्गद ० निक्रहन्त ग्रथक् अन्यमन्य निर्देश विममी इक्ति किल क्युह्मधिद्वन्यथभे अन्यवस्थित विवासिक्डमन्य ९ म्प्लिवडन्स्रिक्म विहमभुग्ड्न वट्ट्युद्धार्यस्थ्रह्म विदल्डि प्रवर्भा अ एड गणन्भी ॥ गरु हिसकः प्रह त्उड्डायल्याचिड्डिइन विडेड्डन विडेड हिंग्ड न्यमदम्पर्थे विदेशिका निम्भनिभूष व मा स्वः कि प्रभाव विद्या है। मी विद्या प्र य - भूग पाथे शिष्ट्रयगडे नुहग्दे कर् दिके ज्यवन्दिमं भिनेः । पायो सन्देष ठ्या १ १ में प्राप्त है । इस स्टूर्स स्टूर्स नभेड्र प्रिड्न भूगेः भवं बढ्केयुगडे: बढ्युदेः

ग्रह्मविन्द्रिक्षित्रः विभाष्मदभद्दर ग्लूनक् रडीयायगेः भिभुदः विचेत्रम् इतिरीक्षित्धर्थस्य १॥॥ उतिभद्रवि नमल् मरहिष्टक्षक्रकाल्यव्ये ॥ ॥ ॥ याद्याप्विदि इस्य ने युर् ले द उ है दिवस्य वह्णअन्य ५म्डेम्ट्यनिभिष्ठभनक्रे चि द्वेड्डिन्ड ने हेन्य के तर्म है हैने हैंने यदिनयगडदिविधयदिवाउउपवद दिशि ाण्यगदंग्रिटवेटयविर्यान्वहवृद्धभूष्पः । रिप्रस्त्र न ग्रहभद्य हिप्रदेश उठाव प्रध्य भू क्रह्में दिश्क इने ब मुरुव में के भूने यदि भभु किद्यग्रदंडर्एयः ३ यदिए ब्रिडिनेचभूण नितानुहन्भुयित् प्रित्न्य यिष् सुदि कटाउः बुठग्दरभूयं कात्रं वभिषे विवन्तर्युउनयेभितिर्युग्णब्धिकिम्द नभंस्त्रन्यग्रहभ्रमि दिश्कितिवर्दिग्डर

E

65

ग्रहाप्याप्मप्रदिकविष्ठद्रः प्रमुक्रुभुद्रभीग दिकेन्न ज्ञार इप्टेश्न इप्टेश्न वार्य है विवासी भिक्रमीय उनीयं भुभ एउ यदिग्द- भुड्र की र्यादिन्प्रइस्नियम् प्रमाधितीम्हरः भक्षभगेयः विषयः नयः नयः भामानयः भि ०३द्रथभिद्धवार्थम् गुविद्धम् निर्मा एउभए खिककिमीन निभेष्ठ उरी या ए ३: भयुपद्विदिरामन्या इ नथक्षीनमहास्मीन क्ष्मीनिभिड्डाडिबिः अतिभाभनिका प्रया टिइ९४३ स्निव अभि अप्रविभवे ग्वय इ ५म भ ७ नप्रचित्रमभ हैं निवृत्रि रिक्र रेखान कलपटहनुम्यभटिमेन्देहस्यः न्यामिट मिण रहे जिल वृत्यस्य इषानभाष्ट्रक के विवृत्त र अडर र न भएड के डीका है। भएड के न न भ हेर्प्रचार्डक भेडाहेर् प्रभए उभभयण्ये

मुखनिकी गर्ने द्विद्विभु उप्तमि हिः भु इत्व निम्ह ०० अस्मिधिर्मिक्ष १०० अस्न श्रुगुरु १ द्वारी विमाल सुरु एद्वा भने न्डिनिधिद्वभन्भिभ्डिम् ०९ अचान्भाग्येय यह अस यह द म ह स वि ह न 30 30 30 30 S OF OF OF भणितचं इलिडिकिइदियभेडान्स्री र पः भभभुं गभने ए**ये पुः श्वारिमण्यि वर्गमे** भ उन् ०७ उभ्डम्डग्रहास्य दविन्महः विरुध वपहिम्डम्पिह्यः इदस्य इद्यानिक्ष शुरुरः विरुभक्तिवर्म् भूनभ्भ ०६ भारत्यार पक्रगदिभकरम्झीवपक्रियिदश्यिदश्यि। परीउगद्यकरी जिल्लेव पदा युप्त स्ट पन्डः महकरंग् अप्डडः कड्गीययी दः सिडि भन् विलयकर रेडिंड यलीवग ०५ ४ इनुक दिवभिष्ठका उग्णि ह प्रवालि विषमि

वयज्ञनः धः अदयभदग्रवज्ञानः जन्य अ नाध्यमविविधंदमधिदिष्टः ०० प्रचानीह भणेष्क कर ९१ डी मेर् विद्भुष मुद्दि है मद्भक्षितिक्र स्विदे दियः यथीभूटन तेलयीयभग अयी णडह इतः भार्तः भुष्ठ यः जलाजनगण्डभीमयइइडः ०१ धनु र मामामामामामामा 3100 710-13 0310±1±13 pser. वज्ञतगणः जनजनः त्यूपंष्टाग्वभलन्य डी मभेड एख जैय र रुद्धीय करणि इधि इध्य विष्यु के व्याप्त्र विश्विति हिंदि विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्युप्रमुद्धविष्युर्भिकित्वाक्षीलपृष्ट दिएद ०५ तद्ग हक्ष्मित्व इभेक्षममी विद्रग वर्भन्य उन्मध्य कथ्गि वर्भन्य इन्हर्

भिक्नक्वनएदगः भ्रष्ट्र ०० १५६, कर्										
The same of the same of	9	13	बु	वि	Ą	Ġ	P	त्र	-	
	В	4	H	A.	E	9	38	35	×.	
		S-110, 780			7	the state of the s	ALCOHOLD STREET	Section 200 Control		
					अभ					
•					वंडिष्ट					
	दिकः	नैः क	भाभु	A: 3.	भुडीय	्टिक् विकास	भ्रय	भूष		
	ष्ट्राइन्डइवर् ३ भाएं तीमिही दिर जगभन्न									
	कु हं नेः श्रं निः श्रुप्त भू र य दू हत्ते में कः एभि									
	बाम	15नि	8: H	ष्टिभा	निवि	इन ह	: 3	० त'	1	
					निडिसं					
					र्मक					
The state of the s	भावम	1 99	ALIE.	नुष्ठः	व्या	मेली व	15	र्थ्न	E	
-	भिड	。中国	門門	- da	EE	नेर	4.8	5:19	E	
1	120-	ID N	इन	६ न्ह	でおり	ह्य	नुस	रुवंद	3	
7	सडित	हिंगा	64ई	1534	gal	321	भेग्न	04	Y	
	* ***					1014	1 01			

3)

डिष्टस्यायिडिगर्गरियद्याभागर्येद्वि। यिः प्राथ ३६: पि भए एउद डिर विगम्भ डि:अ:इ। ३ यह अलिमाए एय निर्ज अ उत्हेडिय डिभ्याचम् थिउ इग भदा हत्। मध्राद्विषिद्धर्भहत्र १० मम् ४ हम् हर्डिश् गृष्ट पक्षि दे डिष्टा दिन्दा भर मायु इन्दा प्रगम्बक्तभा हिसुर इस्माडम्भ भा के ब्रिडाउगर्विमध्ड तः तमग्रहपूरत्र पिर्वाभविष्ट्र अनुबुद्धलपारहापिर्ध्यन एडर्भारा १९ अपद्यमिक्रमध्यद्विष गाययः प्रायम् विश्वप्रम्थम् स्भावितः मसमिक भिके डे र है भ के त विवर्ष भ व स स स रहत भ स 3 0 3 कः प्राद्ध इद्राध्य दिभ्य व ए द्वा क्षेत्र भूप द एगरुः मधानिगरमयवियादवरुयुद्ध

7-1

हामड्रविहः ३० गुर्मीभ्यूपण्डि अस्टर्यक् महाम्याक क्रिय्यक्र ० टेमिनिज्ञालयात ३: जार द्विनम् ४० नहीं भगद्रिश्रीष्रभरसर्वर्ड्डक्लह्स्सक्क स इन्कटफानिभीन्धु अक्षण्कलिया उत्रान मनः ३३ मन्तकामारुभ्डनधर् याभ्रम्द्रिमभाराभिभथाय अउदिमात्र ३० भिड्डाईटिक्ट्रह्मक्ष्मियंभयकः भषादि भाउनयानियद्यं वरुयद्द उर महेला 9 0 प्रशिष्ट

नवङ्गर्धानेववङ्गयेक् विञ्चक्तु उ: मन् रभ्भ उद बाक्ष्मम्सावर्भतामः एं या र वह भन्नापं वलनीयां ३० अचा दिश रिक् भपुभपुग्नलक्षरः वयह्यय्यिक रिभनविलद्धवर्ग का समेदिसरभ्य 38

अवश्किथिपरिष्युविनद्रगञ्ज इत्विद्यय हिष्टिश्व वविषयि ३३ भेर विनद्धि विनहिष्टि ज्यार्युहभच्दिमभुद्धः वजीग्दःकरुग उभवनियदियसगमिषिइम २० सिर् ग्निस्दिव इस्ड्रिं भूकी ब्लंडिय दिस्किल्य न प्रयूभमंगर्यदिवनिविद्यायन्डवित् रुपहर्वेत र उद्देशियस्टिमियइयारिमिन् भरवक्षेष्रद्रनः हिठ्ठास्यापवनस्य 'इदिडर्भंडिदिन्ययरा ६० वस्थनीयिभगडेह गःभडगरवरणाडिवम्दिविशिषाभा विचन नियदि इस क्रारियक्ष विवेद एवं प्रीर्ल इं य व स र इ थ ह । देक ह पर विशे हिन्य ह त 3 g भर्मनंहनवर्षेपिगरु उविडिस्र अंग्रिकि य = ३ ज४ ज४ मके स्हम च वर्य इति है: उर्भ्याउर्भरवर्गिनः थर्पर म्म लिन

युवभीनलयउउद्गंडदंसक वितरभव अभिद्व इएएड म्य एक्षामिडवडिस्मिन् अतिहन ि रिश्वेडन्सिड नग्नाभुदिएप्यद्वर धनडिदिरपउद्धिर्धभ के नग्रह्मपि वनिड्यम्यर प्रज्ञां विष्ठे जेकर दी च्रस उमित्र उदं मधूम भूनिक या ने भविभि हि भूटिय मा दिग्दाहन यग उपमभाय दश एशेल यक वि न्निय दानिविनमंगिभ्डिठयंग कुर इखा दिका डिलिभन्य म्ड गमिः अलग्रभभयेषु हर्भय उद्ययः अविष्युगिषियविभिभेष्यः न्यप गःभगभन्एयद्वेषद्वभयग्नेभविलयद्वे निहिः प्रिष्ट्यः मण अदः भिडेद्रभिभेडवरद्वाः मिनःममीश्रव्यद्भदिवस् प्रमुद्धिकि विदिश्वारंभी दिसाभ छीमः इभमः भूदिधाः न कर्दिग्ठीमगद्भुरवनीमः तन्तरिनिडिल व्याक्षीमनार्थ ४० भ्राष्ट्रिय उरिलम्भिन्ह्य

भडेना ६ व्यक्त ५ इ. क इ श्रुव इ भ न व सूभ गर द भ विस्वाभयम गर्मद्भर्यद्भाष्ट्रियविष्टः भार लगगीका डिचिउ र उरदिविन यभदर ज्ञानित अस् मुन्य राजा नेरड पश्चिम व्या उद्वा नेमान 0 00 0. 5 7 3 8 1 9 8 9 6 कः की डिंडः १३ भगगर निविश्विह टिडगङ्ग प्रविद्यम् भइप्रवम्ह्य भिद्यम्बर्लंड ष' ४३ ५४। यन भारत कारिक विकास र प्रा रवसिक्रेटेव वश्राष्ट्रिक्शिक्रार्थ उः इतिहर्वनिकः भर उथक्निविन् पर्वेगेषा निः पश्चिमं विन विन्डे में निमी वः भष्ट ने या श विराहिल्य भा नया इस इभा हर्कमण्ड क्षात्रेत्र भर्द्धभागम् सुयुह्ह् धाराग्रभ्द्यः भी करेक् ... सजात : नेह: इर्ने तत्ते से तन द्विष्यम्: नेष्ठत्याः द्वित्यः द्वित्यः प्रमुक्तिः प्रमुक्तिः

7-6

र्रिग्रहरुपञ्च ४२ घगाइहित्राणिपरीन्थ वाक्रियेशिक्टवन्त्र क्रिंग्लभिपम्जनेर्ज हव्डिभुद्धग्रद्धार्थभग्नस्थार्थ भड्लाविद्य भहममीडवामनिभद्गनिभगदिभिडःभडे दि वक्वितग्राधीद्त्यगः भएयहरीयुक्ति 'डियिश्डापः । ज इडिस्पिक्सिभुडिवेरिला न्यद्वगुरः मुघगडकम्इल्यह्य नहिंदे हम्मः ५ जन्मिव उद्गर्श वैभिन्तः प्रा उभरीयुल्यइत्मद्भा ७० लगगडः भृष्ट्व भुग्रित्रकत्रकुःमधन्त्रगः इन्यद्वःभभ हर्गकर्भविम्राविदिणग्भंस ऽ९ वेद्य गमनि उन्मिल्डम् इन्हरू उत्तीन रे विद्रगडःसमिर्भर्देष्ट्रडिक्सरम्षः त्यग्रह गुभ्रम्:मलहण्यभचे ४६ उद्याविद्दि भिगिरिगः ममीरम्यिभवभ्रणपडिद्दिवि विभवदिनीयमभ्यति ऽभ उनिममिन्धिति

रम्भहें विष्णुभें उित्रहरम्भे दिन्हिं भ हबुक्भउम्नीग्रद्धग्रहग्रह्भवात्नयुङः ११ भभएयगविष्ठण्याभे एनग्डिमिकिरल दि वक्षांडवतहब्लिद्दलगडः प्रतापारः श डिद्रमुग्रिउनग्भद्रदिभकिर्लिशविगय्गु उ भिउममिली त'नि पिक दगडि र विश्व इभिश्व र भदल ५९ हत्युरिसमिनिइन अवस्थान निमितः भहिरिभेडम् २० दिभिकालभेड वनीक इनिरियमभिष्यम् दिक दुगः व्यग दर्गित्रभित्रयिकहवितिहन्मस्भः १ युक्ताप्रविद्यस्थार्भेदिवकभदिरान् हरद्भाः कविविद्कस्मार्गीध्विस्यवभग युन्रकाः त्वयिगः १० विभुन्यकद्रिष् कम्मिल्पिविविक्रियुष्ठन्हिग्भनेः हय्न्यभ उवग्रिष्ट्यः पविविक्डिष्ठ विश्वराभवगः १९

azzu